तबादले के बाद भी फाइलों का निपटारा कर रहे रजिस्ट्रार

उच्च शिक्षा विभाग से जारी हुआ था आदेश, विवि प्रबंधन भी कटघरे में

नवभारत न्यूज

रीवा, 2 जनवरी, अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय में पदस्थ रजिस्ट्रार सुरेन्द्र सिंह परिहार की पदस्थापन मूल विभाग में की गई. उच्च शिक्षा विभाग द्वारा आदेश जारी होने के बावजूद एक सप्ताह से वित्त की फाइलो का निपटारा कर रहे है. अब सवाल यह उठता है कि अभी तक हटाए क्यो नही गये.

अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय में हुए दीक्षांत समारोह के बाद भोपाल से जो आदेश जारी किए गए उनमें रजिस्ट्रार सुरेन्द्र सिंह परिहार की पदस्थापना मूल विभाग में की गई थी. वहीं इनके स्थान पर नीरजा नामदेव को रजिस्ट्रार के पद पर नियुक्त करने संबंधी आदेश जारी हुए थे. हालांकि आदेश में यह स्पष्ट किया गया था कि सुरेन्द्र सिंह परिहार रजिस्ट्रार विश्वविद्यालय तत्काल मूल पद में अपनी उपस्थिति दर्ज कराएं. साथ ही नीरजा नामदेव को रजिस्ट्रार का प्रभार दिया जाए. शासन द्वारा जारी किए गए पत्र को एक सप्ताह से ज्यादा हो गया है. परंतु अभी तक न तो सुरेन्द्र सिंह परिहार ने अपने मूल पदस्थापना में उपस्थिति दर्ज कराई है और न ही नीरजा नामदेव को प्रभार सौंपा है.

ऐसे में माना जा रहा है कि विश्वविद्यालय प्रबंधन रजिस्ट्रार को कार्यमुक्त करने में कोताही बरत रहा है. रजिस्ट्रार सुरेन्द्र सिंह परिहार मूल रूप से कन्या महाविद्यालय में रसायन विज्ञान के प्रोफेसर हैं. जिन्हें प्रतिनियुक्ति पर अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय में रजिस्ट्रार के पद पर भेजा गया था. पांच साल तक अपने प्रभाव के चलते यह विश्वविद्यालय में रजिस्ट्रार बने रहे और कई ऐसी फइलों का निपटारा किया जिनका सीधा संबंध विवादों से रहा है.

प्रभार न मिलने की शिकायत

सूत्रों से मिली जानकारी में बताया गया है कि एक सप्ताह से ज्यादा समय बीत जाने के बाद भी रजिस्ट्रार कई ऐसी फाइलों का निपटारा कर रहे हैं जो वित्त विभाग से संबंधित हैं. वहीं नीरजा नामदेव ने भोपाल में प्रभार न मिलने की शिकायत भी दर्ज कराई है. सुरेन्द्र सिंह सेवानिवृत्त भी होने वाले है. उच्च शिक्षा विभाग मध्यप्रदेश भोपाल द्वारा जारी किए गए आदेश का परिपालन न किये जाने से विश्वविद्यालय प्रबंधन भी अब कठघरे में आ गया है.

श्रद्धालुओं के लिए विश्रामालय तैयार

माघ मेले को लेकर रेलवे स्टेशन पर की गई व्यवस्था

नवभारत न्यूज

सतना 2 जनवरी. पिछले वर्ष प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ के दौरान सतना रेलवे स्टेशन पर श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ता नजर आया था. इसी कड़ी में इस वर्ष माघ मेले को देखते हुए रेलवे स्टेशन पर तैयारी शुरु कर दी गई है. जिसके चलते रेलवे स्टेशन परिसर में विश्रामालय तैयार कर दिया गया है.

रेलवे स्टेशन परिसर में आरक्षण केंद्र के सामने से लेकर मुख्य गेट के कुछ पहले तक के समूचे हिस्से को स्थानीय रेल प्रबंधन द्वारा विश्रामालय के रुप में तैयार कर लिया गया है. इस पूरे क्षेत्र में एक ओर जहां जमीन पर दरी बिछा दी गई है. वहीं दूसरी ओर बरामदे के खुले हुए हिस्से को कनात लगाकर ढंक दिया गया है. बताया गया कि पिछले वर्ष महाकुंभ के दौरान श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़ के मद्देनजर यह अंदाजा लगाया जा रहा है कि माघ मेले के दौरान भी खासी संख्या में श्रद्धालु रेलवे स्टेशन पहुंचेंगे. जिसके चलते स्थानीय रेल प्रबंधन द्वारा खासे लंबे चौड़े क्षेत्र को विश्रामालय में तब्दील कर दिया गया है. जहां पर श्रद्धालुओं की खासी संख्या विश्राम कर सकेगी. बताया गया कि आगे आवश्यकता पड़ने पर श्रद्धालुओं की सुविधा में बढ़ोत्तरी की जाएगी.

दिन में तापमान की गिरावट ने बढ़ाई ठंड

नवभारत न्यूज

रीवा, 2 जनवरी, समूचे विंध्य क्षेत्र में कड़ाके की ठंड पड़ रही है, न्यूनतम तापमान में भले ही उछाल आया. लेकिन दिन के अधिकतम तापमान में गिरावट आने से दिन भर गलन भरी ठंड बनी रही. दोपहर से चल रही ठंड हवाओ ने गलन को और बढ़ा दिया है.

अन्य दिनो के अपेक्षा न्यूनतम तापमान में उछाल आया. रात का न्यूनतम तापमान 9.2 डिग्री पहुंच गया. वही दिन का अधिकतम तापमान 21.8 डिग्री रहा जो कि सामान्य तापमान से 5.2 डिग्री कम रहा. दिन में हल्के बादल भी रहे और शाम से कोहरे का धुंध छाने लगा. चार किलो मीटर प्रति घंटे की रफ्तार से ठंड हवाएं चलती रही. रात की ठंड से भले ही कुछ राहत मिली, लेकिन दिन भर गलन भरी ठंड रही और रात 12 बजे तक घना कोहरा छा गया. मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि जिले के कई हिस्सो में अति घना कोहरा रहेगा. साथ ही आगामी तीन दिनो में दो से तीन डिग्री तापमान में गिरावट की संभावना है.

भारत पर्व आयोजन के नोडल अधिकारी नियुक्त

सतना 02 जनवरी संस्कृति विभाग द्वारा जनसम्पर्क विभाग तथा जिला प्रशासन के सहयोग से 26 जनवरी की शाम लोक उत्सव भारत पर्व का आयोजन किया जायेगा। भारत पर्व में मध्यप्रदेश के पारम्परिक रूप से लोक रूचि ज्ञान, लोक भक्ति, सुराज, आजादी के तराने, कवि सम्मेलन, वादन और जनजातीय एवं लोक नृत्य के कार्यक्रम भी आयोजित कराये जायेंगे। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट सतना डॉ. सतीश कुमार एस ने सतना जिले में भारत पर्व के आयोजन के लिए जिला स्तर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सतना शैलेन्द्र सिंह तथा सहायक परियोजना अधिकारी जिला पंचायत सतना गौरव शर्मा को सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया है।

नेहरू तिराहे के पास संदिग्ध परिस्थितियों में युवक की मौत

पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा गया

नवभारत न्यूज

सीधी, 2 जनवरी. चुरहट बाजार में नेहरू तिराहे के पास एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। मृतक की पहचान आशा रावत पिता छोटे लाल रावत, उम्र लगभग 40 वर्ष, निवासी खामौनिया खुर्द के रूप में हुई।

मिली जानकारी के अनुसार मृतक रीवा में काम करता था और वहां से चुरहट आया था। आज शुक्रवार सुबह नेहरू तिराहे के पास उसका शव संदिग्ध अवस्था में मिला। घटना की सूचना मिलते ही डायल 112 मौके पर पहुंची और थाना चुरहट पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस द्वारा मौके पर पहुंचकर आवश्यक कार्रवाई करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजा गया, जहां पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी करने के बाद शव को परिजनों को सौंप दिया गया। फिलहाल मौत के कारण स्पष्ट नहीं हो पाए हैं। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले को जांच में लिया है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा। घटना के बाद क्षेत्र में चर्चाओं का माहौल है।

ट्रैफिक सिंग्नल बंद, नियम गायब, हादसों को खुला न्योता

वारदात हुई तो कौन जिम्मेदार, पुलिस की लापरवाही पर सवाल

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 2 जनवरी । मुख्यालय बैढ़न की यातायात व्यवस्था इन दिनों पूरी तरह भगवान भरोसे चल रही है। शहर के प्रमुख और अतिसंवेदनशील चौराहों, यातायात उत्कृष्ट विद्यालय चौराहा बैढ़न, इंदिरा चौक, विंध्यनगर-नवजीवन बिहार, माजन मोड़ सहित अन्य स्थानों पर लगाए गए ट्रैफिक सिग्नल और सीसीटीव्ही कैमरे कई सप्ताह से बंद पड़े हुए हैं।

यातायात नियम पूरी तरह से ध्वस्त

दूसरी ओर ट्रैफिक सिग्नल बंद होने से यातायात नियम पूरी तरह ध्वस्त हो चुके हैं। चौराहों पर न कोई लाल बत्ती का डर है, न हरी बत्ती का अनुशासन। भारी वाहन, ऑटो, बाइक और कारें मनमाने ढंग से निकल रही हैं, जिससे आए दिन जाम और हादसों की स्थिति बन रही है। स्कूली बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं की सुरक्षा पर सीधा खतरा मंडरा रहा है।सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब यह सब कुछ पुलिस अधिकारियों की आंखों के सामने हो रहा है, तो फिर कार्रवाई क्यों नहीं, क्या किसी बड़ी घटना का इंतजार किया जा रहा है, क्या शहर की सुरक्षा इतनी सस्ती हो चुकी है कि तकनीकी संसाधनों के खराब रहने को सामान्य मान लिया गया है। यदि समय रहते ट्रैफिक सिग्नल और सीसीटीव्ही कैमरों को दुरुस्त नहीं किया गया, तो आने वाले दिनों में कोई बड़ी घटना प्रशासन की इस लापरवाही की गवाही दे सकती है।

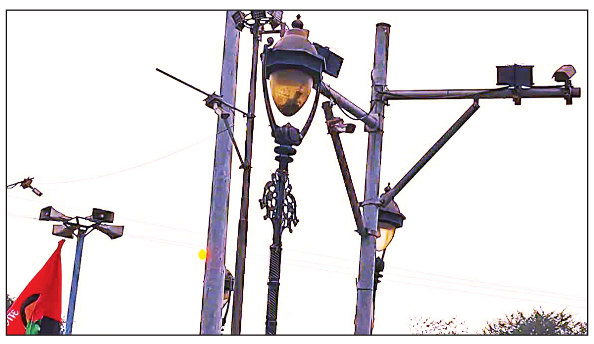

हैरानी की बात यह है कि इस गंभीर समस्या पर न तो यातायात पुलिस ध्यान दे रही है और न ही जिले के जिम्मेदार पुलिस अधिकारी। बैढ़न शहर न सिर्फ जिला मुख्यालय है, बल्कि यह उ.प्र. की कई सीमाओं से सटा हुआ संवेदनशील क्षेत्र भी माना जाता है। ऐसे में सुरक्षा और निगरानी की जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है। बावजूद इसके शहर की इलेक्ट्रॉनिक आंखे यानी सीसीटीव्ही कैमरे अंधे बने हुए हैं। यदि किसी बड़ी आपराधिक घटना या दुर्घटना की स्थिति बनती है तो पुलिस के लिए आरोपियों तक पहुंचना बेहद मुश्किल हो जाएगा। यह कोई आशंका मात्र नहीं है। पूर्व में कई घटनाएं ऐसी हो चुकी हैं, जहां वारदात के बाद पुलिस आरोपियों तक नहीं पहुंच पाई। जांच के दौरान यही सामने आया कि घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीव्ही कैमरे खराब थे या बंद पड़े थे। सवाल यह है कि उन घटनाओं से भी क्या पुलिस प्रशासन ने कोई सबक नहीं लिया।

एजेंसी देनी है

आपका सबसे पुराना,विश्वसनीय, निष्पक्ष समाचार पत्र **नवभारत** सतना को बिरसिंहपुर, जैतवारा, उचेहरा, पोंड़ी, पिंडरा, सिंहपुर, रैगांव, ताला, बड़ा इटवा, पहाड़ी खेरा , सरलानगर (मैहर) आदि स्थानों पर एजेंसी देना है इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें।

मो. नं.- 9098286391, 7828109523

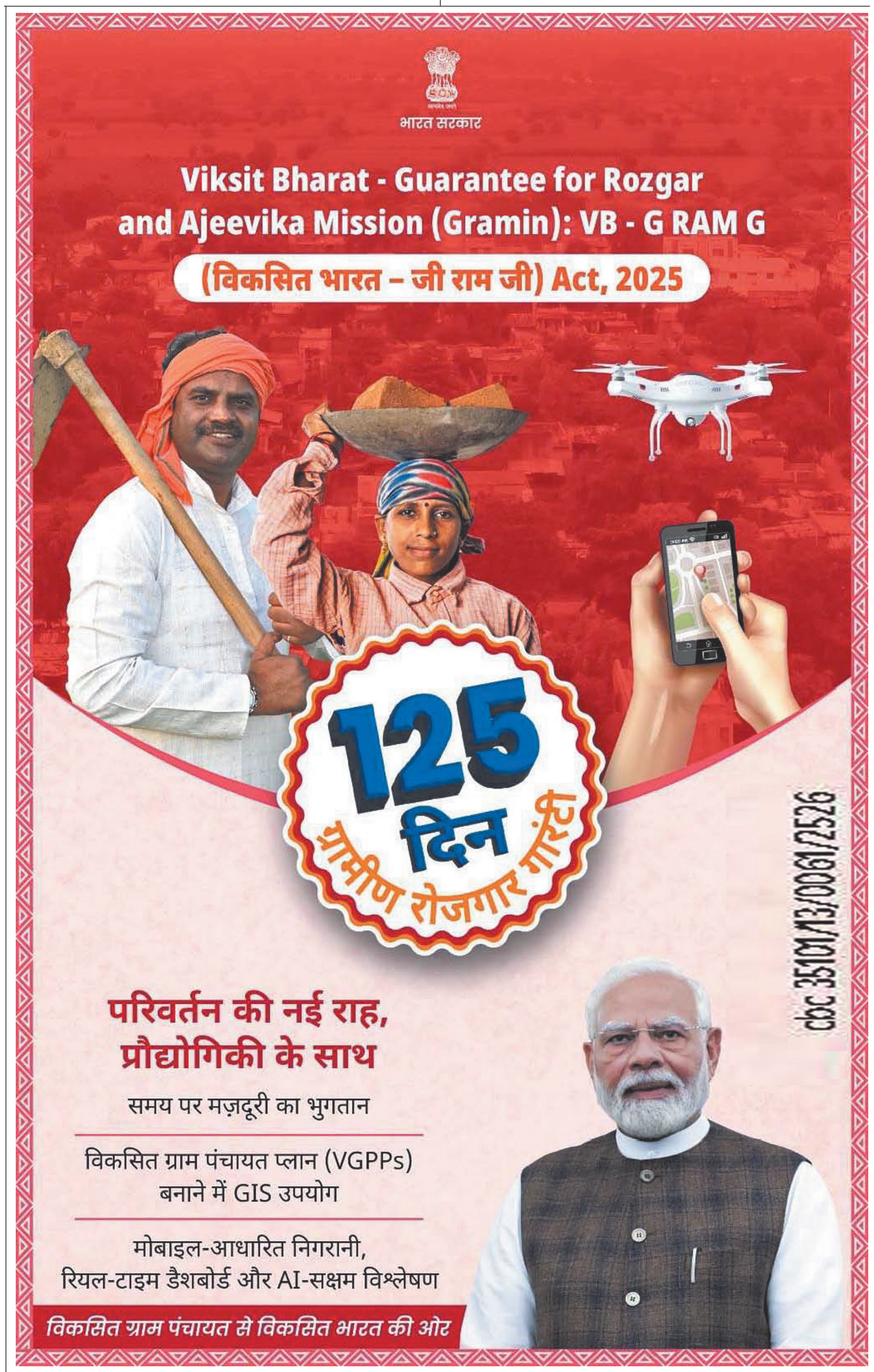

कलेक्टर ने ली वीसी की तैयारियों की समीक्षा बैठक

नवभारत न्यूज

सतना 02 जनवरी. म.प्र. शासन के मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन वीडियो कान्फ्रेसिंग के माध्यम से कमिश्नर-कलेक्टर्स कान्फ्रेंस के बिंदुओं के पालन प्रतिवेदन की समीक्षा 5 जनवरी को प्रात: 11 बजे से करेंगे।

सभी जिलों में कलेक्टर एवं विभागीय वरिष्ठ अधिकारी एनआईसी वीडियो कान्फ्रेसिंग कक्ष से समीक्षा बैठक में जुडेंगे। कलेक्टर सतना डॉ. सतीश कुमार एस ने शुक्रवार को संबंधित विभागों के जिला अधिकारियों की बैठक लेकर कान्फ्रेंस के एजेण्डा बिन्दुओं के आधार पर जिले में की गई कार्यवाही और अनुपालन की जानकारी लेकर समीक्षा की। इस मौके पर कृषि एवं संबंधित क्षेत्र, स्वास्थ्य एवं पोषण, रोजगार उद्योग एवं निवेश, नगरीय विकास, सुशासन, शिक्षा, ग्रामीण विकास, कानून व्यवस्था, विविध विषय सहित अतिरिक्त विषय के निर्धारित एजेण्डा बिन्दुओं के आधार पर प्रगति की समीक्षा की गई। सीईओ जिला पंचायत शैलेन्द्र, अपर कलेक्टर विकास सिंह, उपायुक्त नगर निगम सत्यम मिश्रा सहित जिला विभाग प्रमुख अधिकारी उपस्थित थे।

दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान का आज अंतिम दिन

सतना 02 जनवरी. म.प्र. शासन पशुपालन एवं डेयरी विभाग द्वारा दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान का द्वितीय चरण 3 जनवरी 2026 तक चलेगा। जिसमें पशुपालकों के सामाजिक, आर्थिक उत्थान, तकनीकी जागरूकता तथा आय दो गुना करने के लिए नवाचार की श्रृंखला में कलेक्टर सतना डॉ. सतीश कुमार एस के मार्गदर्शन पर प्रारंभ किया जा रहा है। उप संचालक पशुपालन एवं डेयरी विभाग सतना डॉ. एपी सिंह ने बताया कि इस अभियान के तहत प्रशिक्षित लोग पशुपालकों से संपर्क कर नश्ल सुधार के प्रयास कर रहे है.

यूपी से एमपी में आ रही 32 क्विंटल धान एवं ट्रैक्टर जब्त

कैथानी गांव के पास देर रात कार्रवाई करने का दावा

नवभारत न्यूज

चितरंगी 2 जनवरी ।जिले में अवैध धान परिवहन के खिलाफ प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए बड़ी कार्रवाई की है। उ.प्र. से म.प्र. लाकर खपाने की तैयारी में लगी 32 क्विंटल से अधिक धान की अवैध खेप को चितरंगी एसडीएम के नेतृत्व में जप्त किया गया। इस कार्रवाई से अवैध कारोबार में संलिप्त लोगों में हड़कंप मच गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार यह कार्रवाई कैथानी गांव के पास देर रात की गई। अधिकारियों को सूचना मिली थी कि बिना वैध दस्तावेजों के ट्रैक्टर के माध्यम से धान का अवैध परिवहन किया जा रहा है। मौके पर पहुंची टीम ने देखा कि ट्रैक्टर पर नंबर प्लेट तक नहीं लगी थी, जिससे मामला और भी संदिग्ध हो गया। जांच के दौरान ट्रैक्टर चालक धान से संबंधित कोई भी वैध कागजात प्रस्तुत नहीं कर सका। मामले की गंभीरता को देखते हुए चितरंगी एसडीएम के साथ तहसीलदार एवं पटवारी ने संयुक्त रूप से कार्रवाई की।

धान जप्ती के बाद गढ़वा थाना प्रभारी को मौके पर बुलाया गया, जिनकी मौजूदगी में आगे की कानूनी प्रक्रिया पूरी की गई। पूरी कार्रवाई देर रात तक चलती रही। प्रशासनिक अधिकारियों ने बताया कि एक राज्य से दूसरे राज्य में बिना अनुमति और दस्तावेजों के धान का परिवहन स्पष्ट रूप से नियमों का उल्लंघन है। इस तरह की गतिविधियां न केवल किसानों के हितों के खिलाफ हैं, बल्कि सरकारी व्यवस्था को भी नुकसान पहुंचाती हैं। जप्त धान की खेप और ट्रैक्टर को पुलिस अभिरक्षा में रखा गया है तथा संबंधित लोगों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है।

ट्रैक्टर पकड़कर पीठ थपथपा रहा राजस्व अमला

धान से भरे ट्रैक्टरों पर प्रशासन की मेहरबानी एक बार फिर सवालों के घेरे में है। गढ़वा थाना क्षेत्र अंतर्गत उ.प्र. से चितरंगी क्षेत्र में अवैध रूप से धान खपाने का मामला सामने आया है। सूत्रों के मुताबिक एक-दो नहीं बल्कि करीब 10 ट्रैक्टर धान से लदे हुए सीमा पार करते देखे गए, लेकिन चेक पॉइंट पर तैनात कर्मियों की कथित करामात से अधिकांश वाहन बेरोकटोक निकल गए। आरोप है कि चेक पॉइंट पर सिर्फ औपचारिकता निभाई गई और धान से भरे ट्रैक्टरों को कार्रवाई के लिए आगे बढ़ा दिया गया। यह धान चितरंगी क्षेत्र के आसपास के खरीदी केन्द्रों में लाकर समर्थन मूल्य पर खरीदी की तैयारी में था, जिससे सरकारी व्यवस्था को सीधा नुकसान पहुंचता। हैरानी की बात यह है कि कार्रवाई के दावों के बीच अधिकांश ट्रैक्टर गायब हो गए और प्रशासन अब सीमित जप्ती दिखाकर अपनी पीठ थपथपा रहा है। सवाल उठ रहे हैं कि आखिर चेक पॉइंट पर तैनात कर्मचारियों की भूमिका क्या थी और इतने बड़े अवैध परिवहन पर समय रहते शिकंजा क्यों नहीं कसा जा रहा है और जब किरकिरी शुरू हुई तो राजस्व अधिकारियों की अचानक नींद खुली।

स्वत्वाधिकारी रामगोपाल इन्वेस्टमेंट प्रा.लि. हेतु लेसी एंगेज मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक, प्रकाशक आशीष श्रोती द्वारा मौजा कोलगवां, इंडस्ट्रियल एरिया, सतना से प्रकाशित एवं नवभारत प्रेस भोपाल प्रा.लि. , इंडस्ट्रियल एरिया से मुद्रित. संपादक- संजय पयासी* फोन- 250587, फैक्स- 224642 * समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत जिम्मेदार RNI Reg. No. 72181/99